Dan

Chapter 7

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

בִּשְׁנַת	חֲדָה	לְבֵלְאשַׁצַּר	מֶלֶךְ	בָּבֶל	דָּנִיֵּאל	חֵלֶם	חֲזָה	וְחֶזְוֵי	רֵאשֵׁהּ	עַל־
में-वर्ष	एक	के-बेलशस्सर	राजा	बाबेल	दानिय्येल	स्वप्न	देखा	और-दर्शन	उसके-सिर-के	पर-
H8140	H2298	H1113	H4430	H0895	H1841	H2493	H2370	H2376	H7217	H5922

מִשְׁכְּבֵהּ	בֵּאדַיִן	חֶלְמָא	כְתַב	רֵאשׁ	מִלִּין	אֲמַר׃
उसके-बिछौने	तब	स्वप्न	लिखा	मुख्य	बातों-को	कहा
H4903	H0116	H2493	H3790	H7217	H4406	H0560

बेलशस्सर के बाबुल पर शासन काल के पहले वर्ष दानिय्येल को एक सपना आया सपने में अपने पलंग पर लेटे हुए दानिय्येल ने, ये दर्शन देखे। दानिय्येल ने जो सपना देखा था, उसे लिख लिया।

2

עָנֵה	דָנִיֵּאל	וְאָמַר	חָזֵה	הֲוֵית	בְּחֶזְוִי	עִם־	לֵילְיָא	וַאֲרוּ	אַרְבַּע	רוּחֵי
उत्तर-दिया	दानिय्येल-ने	और-कहा	देख	रहा-था	अपने-दर्शन-में	साथ-	रात-के	और-देखो	चार	पवनें
H6032	H1841	H0560	H2370	H1934	H2376	H5974	H3916	H0718	H0703	H7308

שְׁמַיָּא	מְגִיחָן	לְיַמָּא	רַבָּא׃
आकाश-की	उठा-रही-थीं	को-समुद्र	महान
H8065	H1519	H3221	H7229

दानिय्येल ने बताया, "रात में मैंने सपने में एक दर्शन पाया। मैंने देखा कि चारों दिशाओं से हवा बह रही है और उन हवाओं से सागर उफनने लगा था।

3

וְאַרְבַּע	חֵיוָן	רַבְרְבָן	סָלְקָן	מִן־	יַמָּא	שָׁנְיָן	דָּא	מִן־	דָּא׃
और-चार	जन्तु	बड़े	निकले	से-	समुद्र	भिन्न	यह	से-	उस
H0703	H2423	H7260	H5559	H4481	H3221	H8133	H1668	H4481	H1668

फिर मैंने तीन पशुओं को देखा। हर पशु दूसरे पशु से भिन्न था। वे चारों पशु समुद्र में से उभर कर बाहर निकले थे।

4

קַדְמָיְתָא	כְאַרְיֵה	וְגַפִּין	דִּי־	נְשַׁר	לַהּ	חָזֵה	הֲוֵית	עַד	דִּי־	מְּרִיטוּ
पहला	सिंह-के-समान	और-पंख	जो-	उकाब-के	उसके	देख	रहा-था	जब-तक	कि-	नोचे-गए
H6933	H0744	H1611	H1768	H5403		H2370	H1934	H5705	H1768	H4804

גַפַּהּ	וּנְטִילַת	מִן־	אַרְעָא	וְעַל־	רַגְלַיִן	כֶּאֱנָשׁ	הֳקִימַת	וּלְבַב	אֱנָשׁ
उसके-पंख	और-उठाया-गया	से-	पृथ्वी	और-पर-	पैरों	मनुष्य-की-तरह	खड़ा-किया-गया	और-हृदय	मनुष्य-का
H1611	H5191	H4481	H0772	H5922	H7271	H0606	H6966	H3825	H0606

יְהִיב	לַהּ׃
दिया-गया	उसे
H3052	

"उनमें से पहला पशु सिंह के समान दिखाई दे रहा था और उस सिंह के उकाब के जैसे पंख थे। मैंने उस पशु को देखा। फिर मैंने देखा कि उसके पंख उखाड़ फेंके गये हैं।धरती पर से उस पशु को इस प्रकार उठाया गया जिससे वह किसी मनुष्य के समान अपने दो पैरों पर खड़ा हो गया। इस सिंह को मनुष्य का सा दिमाग दे दिया गया था।

5

וַאֲרוּ	חֵיוָה	אָחֳרִי	תִנְיָנָה	דָּמְיָה	לְדֹב	וְלִשְׂטַר־	חַד	הֳקִמַת	וּתְלָת	עִלְעִין
और-देखो	जन्तु	दूसरा	दूसरा	समान	भालू-के	और-एक-पक्ष-पर-	एक	उठाया-गया	और-तीन	पसलियाँ
H0718	H2423	H0317	H8578	H1821	H1678	H7859	H2298	H6966	H8532	H5967

בְּפֻמַּהּ	בֵּין	[שניה]	(שִׁנַּהּ)	וְכֵן	אָמְרִין	לַהּ	קוּמִי	אֲכֻלִי	בְּשַׂר	שַׂגִּיא׃
उसके-मुँह-में	बीच	[के-दाँतों]	(उसके-दाँतों)	और-ऐसा	कहा-गया	उससे	उठ	खा	माँस	बहुत
H6433	H0997	H8128	H8128	H3652	H0560		H6966	H0399	H1321	H7690

"और फिर मैंने देखा कि मेरे सामने एक और दूसरा पशु मौजूद है। यह पशु एक भालू के जैसा था।वह अपनी एक बगल पर उठा हुआ था। उस पशु के मुँह में दांतों के बीच तीन पसलियाँ थीं। उस भालू से कहा गया था, "उठ और तुझे जितना चाहिये उतना माँस खा ले!"

6
בָּאתַר इसके-बाद H0870 | דְּנָה इस H1836 | חָזֵה देख H2370 | הֲוֵית रहा-था H1934 | וַאֲרוּ और-देखो H0718 | אָחֳרִי दूसरा H0317 | כִּנְמַר चीते-के-समान H5245 | וְלַהּ और-उसके | גַּפִּין पंख H1611 | אַרְבַּע चार H0703 | דִּי־ जो- H1768
עוֹף पक्षी-के H5776 | עַל־ पर- H5922 | [גביה] [उसकी-पीठ] H1355 | (גַּבַּהּ) (उसकी-पीठ) H1355 | וְאַרְבְּעָה और-चार H0703 | רֵאשִׁין सिर H7217 | לְחֵיוְתָא उस-जन्तु-के H2423 | וְשָׁלְטָן और-अधिकार H7985 | יְהִיב दिया-गया H3052 | לַהּ׃ उसे

> “इसके बाद, मैंने देखा कि मेरे सामने एक और पशु खड़ा है। यह पशु चीते जैसे लग रहा था और उस चीते की पीठ पर चार पंख थे। पंख ऐसे लग रहे थे,जैसे वे किसी चिड़िया के पंख हों। इस पशु के चार सिर थे, और उसे शासन का अधिकार दिया गया था।

7
בָּאתַר इसके-बाद H0870 | דְּנָה इस H1836 | חָזֵה देख H2370 | הֲוֵית रहा-था H1934 | בְּחֶזְוֵי अपने-दर्शनों-में H2376 | לֵילְיָא रात-के H3916 | וַאֲרוּ और-देखो H0718 | חֵיוָה जन्तु H2423 | [רביעיה] [चौथा] H7244 | (רְבִיעָאָה) (चौथा) H7244
דְּחִילָה भयानक H1763 | וְאֵימְתָנִי और-डरावना H0574 | וְתַקִּיפָא और-शक्तिशाली H8624 | יַתִּירָא अत्यन्त H3493 | וְשִׁנַּיִן और-दाँत H8128 | דִּי־ जो- H1768 | פַרְזֶל लोहे-के H6523 | לַהּ उसके | רַבְרְבָן बड़े H7260 | אָכְלָה खाता-था H0399
וּמַדֱּקָה और-कुचलता-था H1855 | וּשְׁאָרָא और-शेष-को H7606 | [ברגליה] [अपने-पैरों-से] H7271 | (בְּרַגְלַהּ) (अपने-पैरों-से) H7271 | רָפְסָה रौंदता-था H7512 | וְהִיא और-यह H1932 | מְשַׁנְּיָה भिन्न-था H8133 | מִן־ से- H4481 | כָּל־ सब- H3606 | חֵיוָתָא जन्तुओं H2423
דִּי जो H1768 | קָדָמַיהּ उससे-पहले-के H6925 | וְקַרְנַיִן और-सींग H7162 | עֲשַׂר दस H6236 | לַהּ׃ उसके

> “इसके बाद, सपने में रात को मैंने देखा कि मेरे सामने एक और चौथा जानवर खड़ा है। यह जानवर बहुत खुँखार और भयानक लग रहा था। वह बहुत मज़बूत दिखाई दे रहा था। उसके लोहे के लम्बे—लम्बे दाँत थे। यह जानवर अपने शिकारों को कुचल करके खा डाल रहा था और शिकार को खा चुकने के बाद जो कुछ बचा रहता, वह उसे अपने पैरों तले कुचल रहा था। इस पशु से पहले मैंने सपने में जो पशु देखे थे, यह चौथा पशु उन सबसे अलग था। इस पशु के दस सींग थे।

8
מִשְׂתַּכַּל विचार-कर H7920 | הֲוֵית रहा-था H1934 | בְּקַרְנַיָּא सींगों-पर H7162 | וַאֲלוּ और-देखो H0431 | קֶרֶן सींग H7162 | אָחֳרִי दूसरा H0317 | זְעֵירָה छोटा H2192 | סִלְקָת निकला H5559 | [ביניהון] [उनके-बीच] H0997 | (בֵּינֵיהֶן) (उनके-बीच) H0997 | וּתְלָת और-तीन H8532
מִן־ से- H4481 | קַרְנַיָּא सींगों H7162 | קַדְמָיָתָא पहले H6933 | [אתעקרו] [उखाड़े-गए] H6132 | (אֶתְעֲקַרָה) (उखाड़े-गए) H6132 | מִן־ से- H4481 | [קדמיה] [उसके-सामने] H6925 | (קֳדָמַהּ) (उसके-सामने) H6925 | וַאֲלוּ और-देखो H0431 | עַיְנִין आँखें H5870
כְּעַיְנֵי आँखों-की-तरह H5870 | אֲנָשָׁא मनुष्य-की H0606 | בְּקַרְנָא־ इस-सींग-में- H7162 | דָא इस H1668 | וּפֻם और-मुँह H6433 | מְמַלִּל बोलता-था H4449 | רַבְרְבָן׃ बड़ी-बातें H7260

> “अभी मैं उन सींगों के बारे में सोच ही रहा था कि उन सींगों के बीच एक सींग और उग आया । यह सींग बहुत छोटा था। इस छोटे सींग पर आँखें थी, और वे आँखें किसी व्यक्ति की आँखों जैसी थीं। इस छोटे सींग में एक मुख भी था और वह स्वयं की प्रशंसा कर रहा था। इस छोटे सींग ने अन्य सींगों में से तीन सींग उखाड़ फेंके।

9
חָזֵה देख H2370 | הֲוֵית रहा-था H1934 | עַד जब-तक H5705 | דִּי कि- H1768 | כָרְסָוָן सिंहासन H3764 | רְמִיו रखे-गए H7412 | וְעַתִּיק और-प्राचीन H6268 | יוֹמִין दिनों-का H3118 | יְתִב बैठा H3488 | לְבוּשֵׁהּ उसका-वस्त्र H3831 | כִּתְלַג हिम-के-समान H8517
חִוָּר श्वेत H2358 | וּשְׂעַר और-बाल H8177 | רֵאשֵׁהּ उसके-सिर-के H7217 | כַּעֲמַר ऊन-के-समान H6015 | נְקֵא शुद्ध H5343 | כָּרְסְיֵהּ उसका-सिंहासन H3764 | שְׁבִיבִין ज्वालाएँ H7631 | דִּי־ जो- H1768 | נוּר आग-की H5135 | גַּלְגִּלּוֹהִי उसके-पहिये H1535
נוּר आग H5135 | דָּלִק׃ जलती H1815

> “मेरे देखते ही देखते, उनकी जगह पर सिंहासन रखे गये और वह सनातन राजा सिंहासन पर विराज गया। उसके वस्त्र अति धवल थे, वे वस्त्र बर्फ से श्वेत थे। उनके सिर के बाल श्वेत थे, वे ऊन से भी श्वेत थे। उसका सिंहासन अग्नि का बना था और उसके पहिए लपटों से बने थे।

10

נְהַר	नदी	H5103
דִּי־	जो-	H1768
נ֣וּר	आग-की	H5135
נָגֵד	बह	H5047
וְנָפֵק	और-निकल-रही-थी	H5312
מִן־	से-	H4481
קֳדָמוֹהִי	उसके-सामने	H6925
אֶלֶף	हज़ार	H0506
[אלפים]	[हज़ारों]	H0506
(אַלְפִין)	(हज़ारों)	H0506
יְשַׁמְּשׁוּנֵּהּ	सेवा-करते-थे-उसकी	H8120
וְרִבּוֹ	और-लाख	H7240
[רבון]	[लाखों]	H7240
(רִבְבָן)	(लाखों)	H7240
קֳדָמוֹהִי	उसके-सामने	H6925
יְקוּמוּן	खड़े-थे	H6966
דִּינָא	न्याय	H1780
יְתִב	बैठा	H3488
וְסִפְרִין	और-पुस्तकें	H5609
פְּתִיחוּ׃	खोली-गईं	H6606

> सनातन राजा के सामने एक आग की नदी बह रही थी। लाखों करोड़ों लोग उसकी सेवा में थे। उसके सामने करोड़ों दास खड़े थे। यह दृश्य कुछ वैसा ही था जैसे दरबार शुरू होने को पुस्तकें खोली गयी हों।

11

חָזֵה	देख	H2370
הֲוֵית	रहा-था	H1934
בֵּאדַיִן	तब	H0116
מִן־	से-	H4481
קָל	शब्द	H7032
מִלַּיָּא	बातों-के	H4406
רַבְרְבָתָא	बड़ी	H7260
דִּי	जो	H1768
קַרְנָא	सींग	H7162
מְמַלֱּלָה	बोल-रहा-था	H4449
חָזֵה	देख	H2370
הֲוֵית	रहा-था	H1934
עַד	जब-तक	H5705
דִּי	कि-	H1768
קְטִילַת	मारा-गया	H6992
חֵיוְתָא	जन्तु	H2423
וְהוּבַד	और-नष्ट-हुआ	H0007
גְּשְׁמַהּ	उसका-शरीर	H1655
וִיהִיבַת	और-दिया-गया	H3052
לִיקֵדַת	जलाने-के-लिए	H3346
אֶשָּׁא׃	आग-में	H0785

> “मैं देखता का देखता रह गया क्योंकि वह छोटा सींग डींगे मार रहा था। मैं उस समय तक देखता रहा जब अंतिम रूप से चौथे पशु की हत्या कर दी गयी। उसकी देह को नष्ट कर दिया गया और उसे धधकती हुई आग में डाल दिया गया।

12

וּשְׁאָר	और-शेष	H7606
חֵיוָתָא	जन्तुओं-का	H2423
הֶעְדִּיו	छीन-लिया-गया	H5709
שָׁלְטָנְהוֹן	उनका-अधिकार	H7985
וְאַרְכָה	और-विस्तार	H0754
בְחַיִּין	जीवन-में	H2417
יְהִיבַת	दिया-गया	H3052
לְהוֹן	उन्हें	
עַד־	तक-	H5705
זְמַן	समय	H2166
וְעִדָּן׃	और-काल	H5732

> दूसरे पशुओं की शक्ति और राजसत्ता उनसे छींन लिये गये। किन्तु एक निश्चित समय तक उन्हें जीवित रहने दिया गया।

13

חָזֵה	देख	H2370
הֲוֵית	रहा-था	H1934
בְּחֶזְוֵי	अपने-दर्शनों-में	H2376
לֵילְיָא	रात-के	H3916
וַאֲרוּ	और-देखो	H0718
עִם־	साथ-	H5974
עֲנָנֵי	बादलों	H6050
שְׁמַיָּא	आकाश-के	H8065
כְּבַר	जैसे-पुत्र	H1247
אֱנָשׁ	मनुष्य-का	H0606
אָתֵה	आता	H0858
הֲוָה	था	H1934
וְעַד־	और-तक-	H5705
עַתִּיק	प्राचीन	H6268
יוֹמַיָּא	दिनों-के	H3118
מְטָה	पहुँचा	H4291
וּקְדָמוֹהִי	और-उसके-सामने	H6925
הַקְרְבוּהִי׃	लाया-गया-उसे	H7127

> “रात को मैंने अपने दिव्य स्वप्न में देखा कि मेरे सामने कोई खड़ा है, जो मनुष्य जैसा दिखाई देता था। वह आकाश में बादलों पर आ रहा था। वह उस सनातन राजा के पास आया था।सो उसे उसके सामने ले आया गया।

14

וְלֵהּ	और-उसे	
יְהִיב	दिया-गया	H3052
שָׁלְטָן	अधिकार	H7985
וִיקָר	और-आदर	H3367
וּמַלְכוּ	और-राज्य	H4437
וְכֹל	और-सब	H3606
עַמְמַיָּא	लोग	H5972
אֻמַיָּא	जातियाँ	H0524
וְלִשָּׁנַיָּא	और-भाषाएँ	H3961
לֵהּ	उसकी	
יִפְלְחוּן	सेवा-करें	H6399
שָׁלְטָנֵהּ	उसका-अधिकार	H7985
שָׁלְטָן	अधिकार	H7985
עָלַם	सदा-का	H5957
דִּי־	जो-	H1768
לָא	नहीं	H3809
יֶעְדֵּה	हटेगा	H5709
וּמַלְכוּתֵהּ	और-उसका-राज्य	H4437
דִּי־	जो-	H1768
לָא	नहीं	H3809
תִתְחַבַּל׃	नष्ट-होगा	H2255
פ	—	

> “वह जो मनुष्य के समान दिखाई दे रहा था, उसे अधिकार, महिमा और सम्पूर्ण शासन सत्ता सौंप दी गयी। सभी लोग, सभी जातियाँ और प्रत्येक भाषा—भाषी लोग उसकी आराधना करेंगे। उसका राज्य अमर रहेगा। उसका राज्य सदा बना रहेगा। वह कभी नष्ट नहीं होगा।

15

אֶתְכְּרִיַּת	व्याकुल-हुई	H3735
רוּחִי	आत्मा-मेरी	H7308
אֲנָה	मैं	
דָנִיֵּאל	दानिय्येल	H1841
בְּגוֹא	के-भीतर	H1459
נִדְנֶה	शरीर	H5085
וְחֶזְוֵי	और-दर्शन	H2376
רֵאשִׁי	मेरे-सिर-के	H7217
יְבַהֲלֻנַּנִי׃	घबरा-रहे-थे-मुझे	H0927

> “मैं, दानिय्येल बहुत विकल और चिंतित था। वे दर्शन जो मैंने देखे थे, उन्होंने मुझे विकल बनाया हुआ था।

16

קִרְבֵת	עַל־	חַד	מִן־	קָאֲמַיָּא	וְיַצִּיבָא	אֶבְעֵא־	מִנֵּהּ	עַל־	כָּל־	דְּנָה
निकट-गया	पास-	एक-के	में-से-	खड़े-हुओं	और-निश्चित-बात	माँगूँ-	उससे	के-बारे-में-	सब-	इस
H7127	H5922	H2298	H4481	H6966	H3330	H1156	H4481	H5922	H3606	H1836

וַאֲמַר־	לִי	וּפְשַׁר	מִלַּיָּא	יְהוֹדְעִנַּנִי׃
और-कहा-	मुझसे	और-अर्थ	बातों-का	बताएगा-मुझे
H0560		H6591	H4406	H3046

मैं, जो वहाँ खड़े थे, उनमें से एक के पास पहुँचा। मैंने उससे पूछा, इस सब कुछ का अर्थ क्या है? सो उसने बताया, उसने मुझे समझाया कि इन बातों का मतलब क्या है।

17

אִלֵּין	חֵיוָתָא	רַבְרְבָתָא	דִּי	אִנּוּן	אַרְבַּע	אַרְבְּעָה	מַלְכִין	יְקוּמוּן	מִן־	אַרְעָא׃
ये	जन्तु	बड़े	जो	वे	चार	चार	राजा	उठेंगे	से-	पृथ्वी
H0459	H2423	H7260	H1768		H0703	H0703	H4430	H6966	H4481	H0772

उसने कहा, ‘वे चार बड़े पशु, चार राज्य हैं। वे चारों राज्य धरती से उभरेंगे।

18

וִיקַבְּלוּן	מַלְכוּתָא	קַדִּישֵׁי	עֶלְיוֹנִין	וְיַחְסְנוּן	מַלְכוּתָא	עַד־	עָלְמָא	וְעַד
और-प्राप्त-करेंगे	राज्य	पवित्र-लोग	परमप्रधान-के	और-अधिकार-में-रखेंगे	राज्य	तक-	सदा	और-तक
H6902	H4437	H6922	H5946	H2631	H4437	H5705	H5957	H5705

עָלַם	עָלְמַיָּא׃
सदा	सदियों-की
H5957	H5957

किन्तु परमेश्वर के पवित्र लोग उस राज्य को प्राप्त करेंगे जो एक अमर राज्य होगा।’

19

אֱדַיִן	צְבִית	לְיַצָּבָא	עַל־	חֵיוְתָא	רְבִיעָיְתָא	דִּי־	הֲוָת	שָׁנְיָה	מִן־	[כלהון]
तब	चाहा-मैंने	निश्चित-जानना	के-बारे-में-	जन्तु	चौथे	जो-	था	भिन्न	से-	[सबसे]
H0116	H6634	H3321	H5922	H2423	H7244	H1768	H1934	H8133	H4481	H3605

(כָּלְּהֵין)	דְּחִילָה	יַתִּירָה	[שניה]	(שִׁנַּהּ)	דִּי־	פַרְזֶל	וְטִפְרַיהּ	דִּי־	נְחָשׁ
(सबसे)	भयानक	अत्यन्त	[दाँत-उसके]	(दाँत-उसके)	जो-	लोहे-के	और-नाखून-उसके	जो-	पीतल-के
H3605	H1763	H3493	H8128	H8128	H1768	H6523	H2953	H1768	H5174

אָכְלָה	מַדֱּקָה	וּשְׁאָרָא	בְּרַגְלַיהּ	רָפְסָה׃
खाता-था	कुचलता-था	और-शेष-को	अपने-पैरों-से	रौंदता-था
H0399	H1855	H7606	H7271	H7512

“फिर मैंने यह जानना चाहा कि वह चौथा पशु क्या था और उसका क्या अभिप्राय था वह चौथा पशु सभी दूसरे पशुओं से भिन्न था। वह बहुत भयानक था। उसके दाँत लोहे के थे, और पंजे काँसे के थे। यह वह पशु था, जिसने अपने शिकार को चकनाचूर करके पूरी तरह खा लिया था, और अपने शिकार को खाने के बाद जो कुछ बचा था, उसे उसने अपने पैरों तले रौंद डाला था।

20

וְעַל־	קַרְנַיָּא	עֲשַׂר	דִּי	בְרֵאשַׁהּ	וְאָחֳרִי	דִּי	סִלְקַת	[ונפלו]	(וּנְפַלָה)
और-के-बारे-में-	सींगों	दस	जो	उसके-सिर-पर	और-दूसरे	जो	निकला	[और-गिरे]	(और-गिरे)
H5922	H7162	H6236	H1768	H7217	H0317	H1768	H5559	H5308	H5308

מִן־	[קדמיה]	(קֳדָמַהּ)	תְּלָת	וְקַרְנָא	דִכֵּן	וְעַיְנִין	לַהּ	וּפֻם	מְמַלִּל	רַבְרְבָן
से-	[उसके-सामने]	(उसके-सामने)	तीन	और-सींग	वही	और-आँखें	उसकी	और-मुँह	बोलता-था	बड़ी-बातें
H4481	H6925	H6925	H8532	H7162	H1797	H5870		H6433	H4449	H7260

וְחֶזְוַהּ	רַב	מִן־	חַבְרָתַהּ׃
और-उसका-रूप	बड़ा	से-	उसके-साथियों
H2376	H7229	H4481	H2273

उस चौथे पशु के सिर पर जो दस सींग थे,मैंने उनके बारे में जानना चाहा और मैंने उस सींग के बारे में भी जानना चाहा जो वहाँ उगा था। उस सींग ने उन दस सींगों में से तीन सींग उखाड़ फेंके थे। वह सींग अन्य सींगों से अधिक बड़ा दिखाई देता था। उसकी आँखे थी और वह अपनी डींगे हाँके चला जा रहा था।

21

חָזֵה	הֲוֵית	וְקַרְנָא	דִכֵּן	עָבְדָה	קְרָב	עִם־	קַדִּישִׁין	וְיָכְלָה	לְהוֹן׃
देख	रहा-था	और-सींग	वही	कर-रहा-था	युद्ध	से-	पवित्र-लोगों	और-जीत-रहा-था	उन-पर
H2370	H1934	H7162	H1797	H5648	H7129	H5974	H6922	H3202	

मैं देख ही रहा था कि उस सीग ने परमेश्वर के पवित्र लाग के विरूद्ध युद्ध और उन पर आक्रमण करना आरम्भ कर दिया है और वह सींग उन्हें मारे जा रहा है।

22

עַד	דִּי־	אֲתָה	עַתִּיק	יוֹמַיָּא	וְדִינָא	יְהִב	לְקַדִּישֵׁי	עֶלְיוֹנִין	וְזִמְנָא	מְטָה
जब-तक	कि-	आया	प्राचीन	दिनों-का	और-न्याय	दिया-गया	को-पवित्र-लोगों	परमप्रधान-के	और-समय	आया
H5705	H1768	H0858	H6268	H3118	H1780	H3052	H6922	H5946	H2166	H4291

וּמַלְכוּתָא	הֶחֱסִנוּ	קַדִּישִׁין׃
और-राज्य	प्राप्त-किया	पवित्र-लोगों-ने
H4437	H2631	H6922

परमेश्वर के पवित्र लोग को वह सींग उस समय तक मारता रहा जब तक सनातन राजा ने आकर उसका न्याय नहीं किया। सनातन राजा ने उस सींग के न्याय की घोषणा की। उस न्याय से परम परमेश्वर के भक्तों को सहारा मिला और उन्हे उनके अपने राज्य की प्राप्ति हो गयी।

23

כֵּן	אֲמַר	חֵיוְתָא	רְבִיעָיְתָא	מַלְכוּ	[רביעיא]	(רְבִיעָאָה)	תֶּהֱוֵא	בְאַרְעָא	דִּי	תִשְׁנֵא
ऐसा	कहा-उसने	जन्तु	चौथा	राज्य	[चौथा]	(चौथा)	होगा	पृथ्वी-पर	जो	भिन्न-होगा
H3652	H0560	H2423	H7244	H4437	H7244	H7244	H1934	H0772	H1768	H8133

מִן־	כָּל־	מַלְכְוָתָא	וְתֵאכֻל	כָּל־	אַרְעָא	וּתְדוּשִׁנַּהּ	וְתַדְקִנַּהּ׃
से-	सब-	राज्यों	और-खाएगा	सारी-	पृथ्वी	और-कुचलेगा-उसे	और-रौंदेगा-उसे
H4481	H3606	H4437	H0399	H3606	H0772	H1759	H1855

“और फिर उसने सपने को मुझे इस प्रकार समझाया कि वह चौथा पशु, वह चौथा राज्य है जो धरती पर आयेगा। वह राज्य अन्य सभी राज्यों से अलग होगा। वह चौथा राज्य संसार में सब कही लोगों का विनाश करेगा। संसार के सभी देशों को वह अपने पैरों तले रौंदेगा और उनके टुकड़े—टुकड़े कर देगा।

24

וְקַרְנַיָּא	עֲשַׂר	מִנַּהּ	מַלְכוּתָה	עַשְׂרָה	מַלְכִין	יְקֻמוּן	וְאָחֳרָן	יְקוּם	אַחֲרֵיהוֹן	וְהוּא
और-सींग	दस	उसमें-से	राज्य	दस	राजा	उठेंगे	और-दूसरा	उठेगा	उनके-बाद	और-वह
H7162	H6236	H4481	H4437	H6236	H4430	H6966	H0321	H6966	H0311	H1932

יִשְׁנֵא	מִן־	קַדְמָיֵא	וּתְלָתָה	מַלְכִין	יְהַשְׁפִּל׃
भिन्न-होगा	से-	पहलों	और-तीन	राजाओं-को	गिराएगा
H8133	H4481	H6933	H8532	H4430	H8214

वे दस सींग वे दस राजा हैं, जो इस चौथे राज्य में आयेंगे। इन दसों राजाओं के चले जाने के बाद एक और राजा आयेगा। वह राजा अपने से पहले के राजाओं से अलग होगा। वह उनमें से तीन दूसरे राजाओं को पराजित करेगा।

25

וּמִלִּין	לְצַד	[עליא]	(עִלָּאָה)	יְמַלִּל	וּלְקַדִּישֵׁי	עֶלְיוֹנִין	יְבַלֵּא	וְיִסְבַּר
और-बातें	के-विरुद्ध	[परमप्रधान]	(परमप्रधान)	बोलेगा	और-पवित्र-लोगों-को	परमप्रधान-के	घिसाएगा	और-सोचेगा
H4406	H6655	H5943	H5943	H4449	H6922	H5946	H1080	H5452

לְהַשְׁנָיָה	זִמְנִין	וְדָת	וְיִתְיַהֲבוּן	בִּידֵהּ	עַד־	עִדָּן	וְעִדָּנִין	וּפְלַג	עִדָּן׃
बदलने-को	समयों	और-व्यवस्था	और-दिए-जाएँगे	उसके-हाथ-में	तक-	काल	और-कालों	और-आधा	काल
H8133	H2166	H1882	H3052	H3028	H5705	H5732	H5732	H6387	H5732

यह विशेष राजा परम प्रधान परमेश्वर के विरूद्ध बातें करेगा तथा वह राजा परमेश्वर के पवित्र लोगो को हानि पहुँचायेगा और उनका वध करेगा। जो पवित्र उत्सव और जो नियम इस समय प्रचलन में है, वह राजा उन्हे बदलने का जतन करेगा। परमेश्वर के पवित्र लोग साढ़े तीन साल तक उस राजा की शक्ति के अधीन रहेंगे।

26

וְדִינָא	יִתִּב	וְשָׁלְטָנֵהּ	יְהַעְדּוֹן	לְהַשְׁמָדָה	וּלְהוֹבָדָה	עַד־	סוֹפָא׃
और-न्याय	बैठेगा	और-उसका-अधिकार	हटाएँगे	नष्ट-करने-के-लिए	और-मिटाने-के-लिए	तक-	अन्त
H1780	H3488	H7985	H5709	H8046	H0007	H5705	H5491

“‘किन्तु जो कुछ होना है, उसका निर्णय न्यायालय करेगा और उस राजा से उसकी शक्ति छीन ली जायेगी। उसके राज्य का पूरी तरह अन्त हो जायेगा।

27

וּמַלְכוּתָה	וְשָׁלְטָנָא	וּרְבוּתָא	דִּי	מַלְכְוָת	תְּחוֹת	כָּל־	שְׁמַיָּא	יְהִיבַת	לְעַם
और-राज्य	और-अधिकार	और-महानता	जो	राज्यों-की	नीचे	सारे-	आकाश-के	दी-जाएगी	को-लोगों
H4437	H7985	H7238	H1768	H4437	H8460	H3606	H8065	H3052	H5972

קַדִּישֵׁי	עֶלְיוֹנִין	מַלְכוּתֵהּ	מַלְכוּת	עָלַם	וְכֹל	שָׁלְטָנַיָּא	לֵהּ	יִפְלְחוּן	וְיִשְׁתַּמְּעוּן׃
पवित्र	परमप्रधान-के	उसका-राज्य	राज्य	सदा-का	और-सब	अधिकारी	उसकी	सेवा-करेंगे	और-आज्ञा-मानेंगे
H6922	H5946	H4437	H4437	H5957	H3606	H7985		H6399	H8086

फिर परमेश्वर के पवित्र लोग उस राज्य का शासन चलायेंगे।धरती के सभी राज्यों के सभी लोगों पर उनका शासन होगा। यह राज्य सदा सदा अटल रहेगा, और अन्य सभी राज्यों के लोग उन्हें आदर देंगे और उनकी सेवा करेंगे।’

28

עַד־	כָּ֫ה	סוֹפָ֣א	דִֽי־	מִלְּתָ֑א	אֲנָ֣ה	דָנִיֵּ֗אל	שַׂגִּ֣יא ׀	רַעְיוֹנַ֣י	יְבַהֲלֻנַּ֗נִי	וְזִיוַי֙
तक–	यहाँ	अन्त	का–	बात	मैं	दानिय्येल	बहुत	मेरे–विचार	घबरा–रहे–थे–मुझे	और–मेरा–मुख
H5705	H3542	H5491	H1768	H4406		H1841	H7690	H7476	H0927	H2122

יִשְׁתַּנּ֣וֹן	עֲלַ֔י	וּמִלְּתָ֖א	בְּלִבִּ֥י	נִטְרֵֽת׃	פ
बदल–गया	मुझ–पर	और–बात	अपने–हृदय–में	रखी	—
H8133	H5922	H4406	H3821	H5202	

> “इस प्रकार उस सपने का अंत हुआ। मैं, दानिय्येल तो बहुत डर गया था। डर से मेरा मुँह पीला पड़ गया था। मैंने जो बातें देखीं थीं और सुनी थी, मैंने उनके बारे में दूसरे लोगों को नहीं बताया।”